there is no problem of siltation. During monsoon, sea can become very rough but this difficulty is now overcome with the construction of a breakwater. In spite of all the facilities available, however, since the port was a seasonal roadstead, its utility was, to a certain extent, limited. With the development of all weather direct berthing facilities, it is hoped that the port will be able to serve the hinterland in a much better way. I urge upon the Central Government to declare it as an all weather port immediately and develop it accordingly, looking into its importance in national interest.

(iv) REGULAR SUPPLY OF ELECTRICITY DURING ASIAN GAMES TO THE WESTERN DISTRICTS OF U.P.

श्री चन्द्रपाल सिंह (अमरोहा) : जैसा कि सबको विदित है कि इस वर्ष भारत की राजधानी में नवम एशियाई खेल का आयोजन होने जा रहा है । इसके लिए सरकार यह चाहती है कि ज्यादा से ज्यादा लोग इसें देख सके और इसका प्रचार हो सके । परन्तु सीमित स्थान उपलब्ध होने के कारण ज्यादा लोग इसे यहां नहीं देख पायेंगे ।

दिल्ली दूरदर्शन के प्रसारण से लगभग 150 कि० मी० दूर तक के लोग लाभान्वित होते हैं । एशियाई खेलों का भी ग्रामीण क्षेत्र के लोग, जो टिकट के अभाव में स्टेडियम पर आकर उन्हें नहीं देख सकेंगे, दिल्ली दूरदर्शन के माध्यम से देख सकेंगे ।

परन्तु बड़े खेद का विषय है कि पूर्ण ग्रामीण अंचलों में (विशेषकर उ० प्र०) बिजली की आपूर्ति बहुत ही अपर्याप्त तथा अनियमित है । बिजली 24 घण्टे में अधिक से अधिक मात्र 8–10 घण्टे आती है और वह भी कब आयेगी और कब चली जायेगी, कोई निश्चित नहीं है । ऐसी परिस्थिति में उ० प्र० के पश्चिमी जिलों के वे ग्रामीण जो दिल्ली दूरदर्शन के माध्यम से एशियाई खेलों को देख पाते, बिजली आपूर्ति के अभाव में देखने से वंचित रह जायेंगे ।

अत: मैं माननीय ऊर्जा मंत्री जी से साग्रह निवेदन करूंगा कि वे इस सदन के माध्यम से सम्बन्धित क्षेत्र के ग्रामीणों को आश्वस्त करें कि एशियाई खेलों के समय बिजली की आपूर्ति बराबर बनी रहेगी और उसकी सुनिश्चित आपूर्ति के लिए तुरन्त आवश्यक विभागीय कार्यवाही करने का कष्ट करें ।

(v) NEED FOR SUPPLY OF SUFFICIENT QUANTITY OF COAL TO THERMAL UNITS IN TAMIL NADU.

SHRI M. KANDASWAMY (Tiruche gode): Tamil Nadu is facing constant power cut of 30 per cent throughout the year. This may be due to the follwing reasons:

In thermal projects, the installed capacity would be 1500 megawatts. In hydel projects, the installed capacity would be 1600 megawatts.

Due to shortage of water out of total installed capacity in hydel projects, only about 1000 megawatts are available from January to July. 600 megawatts of power from Neyveli Corporation is being distributed equally to Southern States.

As far as Thermal Projects are concerned, out of the total requirements of 2400 mega watts, at present only 1500 mega watts are available. Work for the implementation of the first stage is in progress. A proposal for the second stage (Tuticorin: 710 MWs; Mettur 420 MWs; North Madras 1050 MWs.) has been sent to the Union Government on 30-12-81. It is more than 10 months, there is no response from the Government. This delay may